A.C. Joshi Library
P.U. Chandigarh

MSS No. 446 Subject Vrata

Name of MSS Katha Shani Ji Ki

Author

Period Folios 73

Script Devnagiri Source Bala Sahai Shastri Alwar Rajasthan

Missing Folios —

शनैश्चरजी की कथा (20) 446

मवधैपातकमलैनौगृहरुपनिधान भाषारचकैभै 1
हरू जगकौकरूकल्यान ५ सुरमुनीनरनागमही
नाकौंव्यापतशीत कहतसुनत सीखतपढत मिटहै
दोसशभीत ६ छंद येकदेशनगृउजीन तहांतपत
न्रपतप्रवीन वेदकोरूपवषान काटैदुषकीषान स
बदुषकरतवैदूर सुषनगृमैंभरपूर येकदिवशदेवल
माहि न्रपबैठयेनिजठांहि दुजबेदकरतविचार त
हांअर्थकरतअपार गुनवंतबचननिधान वच्यौ

श्री० नवगृहआख्यान ९ मुषबोलियोनरनाथ मुनिदेवपंडि
२ तबात षनवग्रहकूजान कैसागृहबलवान १० ऐ
सैनृपतिपूछंत हुजदेषबेदकहंत पंडितउवाच षन
वगृहबडादेव मुरिमुनीकरतहैसेव ११ मुनिप्रजापा
लनकंत गृहबडौभानउदंत दिनरैनतातनमांहि
कोईदुतीयेदीसतनाहि १२ दुतीयेपंडितवाच मुनिनृ
पतिपूरणराज शशिधारहैसबकाज शोडशकला
बरसंत सबसुधभरियोकंत १३ त्रतीयोपंडितवाच

मुनिराजप्रजाकापार ग्रहबड़ौहैमंगार महियल ३
सुतसरन अतिबलीरकतनुबरन १४ चतुरथो
पंडितबाच मुनिराजबीक्रमदीत बुधदेवकीयह
रीत बुधदेतकरतप्रकाश लषकुबधकरताबिना
श १५ पंचमोपंडितबाच मुनिपिरजापालनपीव
ग्रहबड़ौहैयहजीव सबकरतयाकीसेव ममतकन
वावैदेव १६ शाष्टमोपंडितबाच मुनिबीरबिक्रम
भूप यहबडाहैभृगुरूप औसोबलवंतजोनित
पूजनकरैसबदेत १७ शप्तमोपंडितबाच मुनि

श्री० वीरविक्रमभूप लखिदेखिगृहकोरूप योगृहमोश
३ देव सनिकोलखैनकोऊभेव १८ नरदेवदानवना
ग ढुंढलागताहैलाग कालाअगनयहरूप कोई
रंकगिणैनहीभूप १९ करिनेहमौअसनान खुसी
पहरबसतरस्याम लषयेकमणासीराम लखसवाको
करपान असटमोपंडितवाच सुनियेजुअबनरना
ह मोटागिरहयकराह मानतसुरनरभूप सबनिसा
वाकोरूप २१ नवमोपंडितवाच अबसुनौनृपतन
रेषा ग्रहकेतरूपविशेषाः तसपूजियेसंसार तेसी

सकौ आकार २२ दोहा रामानदनरनाहकूंपंडितकथा
सुनाय नऊग्रहनमैंयेकग्रहसोनहीआयोदाय २३
नृपतिकहैद्विजदेवरिषकहीसुनीपरमान ग्रहयेक
सनिकाअवैमतिकोईकरौबषान २४ सुनिबातपं
डितपूर लषिसवग्रहकानूर सबवरनरूपअने
क आछानहींसनीयेक यहरूपहैविडरूप अस
ग्रहरूपअनूप इनरूपकाहैजोग लाजामरतस
बलोग २६ नृपकहतदेवलमांहि सनीरूपआछ
नाहि इनसुगआवैदेष दुजमांनबचनविसेष

5

श्री० इहवरणऐसाहोत प्रानीबरणडीलकरीत तातैं
४ कहौमैंवात यहमोहिनाहिसुहात पंडितउवाच
मुनियेजुनृपनरनाथ ऐसीकहौमतिबात सानी
गृहबडाबलवान मनमतिकरौअभिमान २८
ब्रह्मासहतरिषदेव सबकरतयाकीसेव सुरसह
तसेवतइंद्र सबतिराशमानमुनिंद्र २९ सबसेस
सहतपनग गरुड़सहतपनग भैमानिहैभूपाल
सनिदेषकंपैकाल ३० नरदेवनैदेदंड डरमान
हब्रह्मंड तारासीउपरबास देहघणावेकाश

३१ घरभौमदैतछुड़ाय भरमताफिरैजतिपाय ७
बहु-चरनकरकैकाश महातिराशसुरनरमार
३२ लहैकसटकरमविकाश धनभूमकरवैना
श महाकशटपीड़ादैत रहैरंचनाहीचैत ३३ गहि
लंकपतिकीराश मेटीकुटमकीकाश महाक्रूरज
रककवार कोपावैनहीपार ३४ ग्रहरससंशनडंड
करफरशसौकीयेषंड गयेहिरनाकुशकेभवन
मारनछुडायेकवर ३५ मधुपुरीराजनकंश गही
राजषोयोबंश येकभूपनपतिहुजालनतकिजुरासिं

४ धर्मिसपाल ३६ गहिरासबनकीलाज करिभूष
५ बोयोराज छोंहनीअठारापाय लायेपंचभ्रात
बजाय ३७ कैरूकीयेराजअपंगतजिगयेग्रह
कौसंग कैरूबोसलीनेराज राबीकितोकीलाज
३८ मुनिनृपतिविक्रमराज येगिरहबडासिर
ताज निंदाकरैनरकोर नेराजमिषसोहोय ३९
राजोवाच मुनिबातब्राह्मणदेव मैंकरूसबसु
रसेव मोग्रहलागोनाहि मनिकीकहाउपाय ४०

पंडितउबाच दोहा दुनियाकेरिपुकालहैकालप १
रैमहाकाल जाकेरिपहैअरकसुतकोपकांति
चपलाल ४१ चौपई पंडितकहतसुनौनरईसा
सनिकेचरननिवावोसीसा ईनकीकथातैंनाहि
नजानी कहीनजाययाकथाकहानी ४२ सुष
मैकरिसमझाऊराय जानिबचाऊतेरीकाय
जिमियरभोगजितेसबदेहै जमाधरचजमसु
मणलेहैं तासनिसुनरपतुजरिसाना सनीती

10 नलोकमैंनाहिनछाना नृपतोमनकौभरमभना
६ उ सनीजनमकीकथासुनाऊं ४४ जैसैंजन
मलीयोजगपालक दुष्टजनाकौकुलकैकाल
क विघनअंकलीधेमनराई रिषकैउदरकंन्या
यकजाई ४५ महाकांतिससिबदनजोबरनीकं
दूपदलकीत्रासजोहरनी सोलाकलारूपरतिमो
हित रिषपतनीकीगोदीसोहति ४६ सपतब
रसकीतनभईबालक सिंभअरैबरिमनकी

मालक जिनपूजी हितकरकै गौरीबरपायौका ॥
शिवसुतभौरी ४७ महाकांतिजपिज्ञातमाभारी
ताकैग्रहपतनीभईप्यारी कोटिकामरतिरूपञ
नंता ताकेसनमुखसाधैतंता ४८ कोदिनतेजस
हौतनस्वामी ऊसनतापतनमाहीगामी कांतन
सारसियेतनमोरे मेरेतेजनहीरविजोरे ४९ म
नमैंनारिधरीपरपंचा चषलषछांह. प्रगटत
नसंचा ५० महामंतरजपियौमुषभारौ छाया

12 कौतनदुतीयौधारौ आपनीठौरकरीवैठाढी चली
७ आपमतिधीरजगाढी ५१ आसुनीतिबरिमन
मैंबिचारी महातपकांतसोधनसंचारी ५१ छा
यारुपमेल्लगईवाला गलेधरिगईरविकीमाला
अरकतनैनलषेवैनारी तेजपुंजतेप्रतिहिसंभा
री ५२ तामोगनतनदृीयोसंजोगा रविधरपूछी
कहाबियोगा रबिजबबोलेमुषसौबांणी तैंही
मोहीमहा पटराणी ५३ पटछलमोहिमहातन

कीना ब्रहककहागरईहोइलौलीना फिरबोलेमुषतैंज 13
गनायक मोहउदरउपजौभैदायक ५४ तोकौनिर
षिउठौभैमेरे सोभैबसुधामांहिबषेरे दारुणभैदीर
घभयोभारी तेभुगतेसुरनरअरुनारी ५५ दोहा र
विवारतेंताकेउदर उपज्यौअरककवार नरसुरधर
ब्रहमंडको भैदातात्र्प्रनुसार ५६ रामानंदउसनरूप
तिनैं पंडितकहतविवेक महामूढमनमैंभयोगही
नबातअनेक ५७ विविधिभांतिसमझाईयौंलहैन
ग्यानअग्यान मेरेकछुलागेनहीयेकरकहैसमांन

15 ५८ राजामुषकरतैंदुषद्दीये सबैमुषीकरसहैरदुषदे
८ षा मनमैंअनंतअवलेहैंवैबैर ५९ यहकयातुम
तैंकही भस्यौन्रपतिअभिमांन अबकहूंपूरवक
या जबउपजतहैगपान ६० छंद येकदेसन्रपतिसु
राज तपिअवधिनगरसमाज नवसहसततपिनर
राज सुषदियोदशरथराज ६१ येकदिवशसबन
रनार गयेभूपकैदरबार मुनिकुलाहलनरपाल
तबजागयोभूपाल सबपिरजाभईबिहाल ६२ क
हैहुकमदसरथभूप लषिकैप्रजाकौंरूप रन

मैंकहाहैतिरास षवाशउवाच मुनियेजुश्रीमहारा 15
जयहमेहबिनअकुलाय करिअरजबेगषवाश
६३ येप्रजाभईबेहाल परबरषद्वादशकाल दशरथ
उवाच अववोलिदशरथराय सवलीयेविप्रबुलाय
६४ आतुरवसिष्टबुलाय परेदोरनरपतिपाय कहै
नृपतिमुनगुरु देवलषियेपिरजाकोभेव ६५ कोईई
द्रभूपनपीर वरषैनमोधरनीर वासुकरूजुधजाय
येकरैनृपतिउपाय ६६ वरसैनमोधरमाय सामरथ
वाकीकाय वसीष्टउवाच मुनियेअजोध्यानाथ नही

९ 16 इंद्रकीयहबात ६७ सनिकीयोरोहणीबेद उपज्योंप्रजा
कूषेदृ वहैंअर्कसुतशनिरूप कोजुटिसकैनहि
भूप दशरथऊवाच करिक्रोधमनमहाराज सोमि
त्ररथकूंसाज ६८ जगमगारथकारूप नगमणिन
जटितअनूप हयबोलिजोयेआंन महागरुड़.रूप
समांन ६९ सिंदनचढेअवराय जुधकरनसनि
सौंजाय चलेसुरगमारमधाय तहांलोकसनिका
आय ७० तहांकूरहैसनिरूप जहांगयेदसरथभू
प दशरथउवाच मुनिश्वरकाराजकवार लेसर

नतेरीलार ७१ मैंआईयोजुधकाज बलदेषहूंतो 17
हिआज बलहैसोमोहिबताय जुधकाजभयोआ
य ७२ धनवानकरनपचंप धरगगनबासगके
प दशरथकरमैंबान महाकालरूपसमान ७३
करिक्रोधचषकरिलाल मनिउपरैभूपाल कहै
भूपवचनविचार अवभांनकवरसमहार ७४
मनीसरउवाच मुनिअवधकेभूपाल निंदनसोयै
काल नरदेवनैहेदंड डरमानहैब्रहमंड ७५ मुरअ
मुरकंपतसेस तिहुलोकमेरीपेस लेधमदसरथ

१० राय यहांसमरकारनआय ७५ तूभगतमेरो
१० दास तूमांगमेदौकाश तिहुंलोककाद्यौराज
तिनसारहैसबकाज ७६ अबमांगमनकी
दौर जुपैनतौसमऔर दशरथऊबाच मु
षबोलिदशरथबात सुनभासकरकैतात
७८ तुमरीकृपाकैभेव कछुकुमीनाहीदेव
नवनिधिउभीद्वारअष्टसिद्धदासीद्वार ७९
मैंमांगहूंयककाज बरबचनद्यौमहाराज

सनीसरऊबाच चुकनबातअनाए मोहिदी 19
वाकरकीआए ८० दशरथऊबाच अबमाग
हूंमनमांहि रोहिणीनैबेधौनाहि हरवोप्रजा
कीपीर धरबरसनैद्योनीर ८१ कोईप्रजापीरन
करौ बरमांगदसरथघटौ सनीशरउवाच सु
निन्रपतितुठौमूल रोहणीनैबेधौमूल ८२
मोपूजवैनरकोय ताकूंकभूनपीड़ाहोय
सबदेवदानवनाग मोहिपूजवैंअनुराग ८३

20
११ अबदशरथराजासनीसरमहाराजकीअसतु
तकरैछै छंदभुजंगी नमोनीलबरनंहरचक्र
रूपं नमोकालरूपाय कालाअगनिरूपं नमो
तेजरुपायरमालनयनं बलीमुषदेवादकिरत
स्यामसयनं ८४ नमोतेजपूजाय यसथूलरो
मं नमोसरनभयरूपकीनेत्रजोमं नमोघोर
रूपाय रुद्रायतेजं नमोअरकपुत्राय बजेमुनि
सेजं ८५ नमोक्रष्मदेहायबरनंकरोतं नमोका

लबेतालततनवोतपोतं नमोद्देवनरनागभयंकार 21
भारी नमोहारमणकेसवालाषहारी ८६ नमो
बरधकेसाय तीक्ष्णकटाक्षी नमोपुंनपापासमी
चीनसाक्षी नमौभानभैदाय धराकंपभारी नमो
नेहत्रंबर सजेस्यामधारी ८७ इहीरीतिभूपाल
मुषप्रीतचीनी इमैंभांनकुलभांनअसतुतकी
नी ८८ दोहा रामानंददशरथन्टपति जोरकह
तहैपान तेरैगुनकौंअरकसुत कोकरिसकैबषा

22 न ८९ अबमैंतौसौंकहतहौं सुनियेअरककवार
१२ पूजनबिधिकैसेकरूं सोमोहिकहौबिचार ९० स
नीशरउवाच सुनेबचनसुनिन्रपतिके अबसब
कहतप्रमान महिषधेनमाषोदनंलोहसपतअन
द्दांन ९१ तिरपतिबिप्रभोजनकरैजोनरमेरेहेत
येकजननदोजनमलौंकबहु नपीड़ादेत ९२ दो
हाछंद अबकहतदसरथराजतोरूपत्तषिभयभा
ज जिमितिमरनाथनसाय उदअरकगिरपरआ
य ९३ फिरिमांगिहैन्रपसीष रथ्यकेरिउलटीलीक

नृपभवनञ्अपनैंञ्आय सबप्रजाञ्अतिसुषपाय उनह 23
रीसबरीपीर बरसेंधरापरनीर येकह्यौतोहिपुरान नृ
पछाडिमनञ्अभिमान ९५ हठबीरविक्रमछोड काकी
करतहैहोड यहगिरहमोटारूप गहेचरनदसरथभू
प तुमरीकहासामरथ्थ चढिगगनचलिहैञ्आरथ
हठछाडियेञ्अवराय सनिदेवकैंपरिपाय ९७ मैंक
हीविधिविधिवात येतोहिनाहिसुहात हठछाडिदारु
णरूद गहिग्यांनधनगुनगुद ९८ दोहा रामानंद
उमेनृपतिनैंपंडितदियोजग्यान पातिगप्रगटनोजी

24 वमैं मांनीनहीं अगपांन ९९ जबपंडितअैसेकही
१३ सुनियेविक्रमराय विधिविधिकेदुषदेतहैं अबस
नितौकूंआय १०० छंद न्टपदुषबचनजुभेव सुनि
येसनीसरदेव करिक्रोधवैसिवमान भुकालतीछ
नतांन १ चषलालवोपमदीस तियनैनउघरैदीस
पूरनबीरविक्रमराश्र महाक्रूरकीनौबास २ शनी
श्ररउवाच मुनिराजभूपनरिंद मुषसैंकरीक्योंनिं
द तैंकरीनिंदाचाहि अबदेतफलभुगताय ३
सुषमाहिसुतौराय सुषसेजअपनीजाय तहांसुष

नआयौयेक लाषिषेलनैंनअनेक ४ बनमां 25
हिउभौराय तहांचरनव्याईगाय नृपसषावै
सुषमैल गऊदौरिआईगैल ५ इतबहैतसरि
ताजोर उतधेनआईदौर तासींगतीलणरूप
भैमानियोमनभूप ६ देष्यौनकोईलार कीयो
तेगकौपरहार गऊकौबनगयोनांहार हुयोदो
उनृपकीलार ७ महासेररूपजयेह नवहाथ
ताकीदेह तबदोड.योधरराय नृपतिराशमन
मैंषाय ८ महासेरगाहितेगकरमनपाय दईसिं
घकासिरमाय ९ दोटुकपरीयाहोय उठियेजनीस

26 चरहोय ९ महारूपहैंभैकार मरकरलीयेदसला
१४ र हयचरनहसतीदेह मुषमहिषरूपजयेह १०
लंगूरदौरेधाय न्रपकूंविलंवेआय लईतेगकर
मापोस परक्यौपकरकेठमोस ११ महातिराशवट
कालेत ढिगघडेदौउदैत महाविकलहोयवेहाल
जबजागियोभूपाल १२ रोमांचअंगमआय महा
तिराशनाहिबुफाय हवकंदुरैजलनैन नहिआत
मामैचैन १३ दोहा रामानंदउसन्रपतिनैदीयोसुप
नोसनिदेव नीठिनीठिन्रपउठयो जान्यौकछुनभे
व १४ छंद न्रपउठियोअकुलाय सबषासचोकी

आय कहै सुपनके समाचार देखा शाहोई लार १५ 27
तव बोलिये नरपाल येउठे आलजंजाल गहि वाह
भूपषवाश जाहां बैठये आंमषास १६ भगतन बु
लाई भूप तैं कीया आपछुरा रूप कीये गांन रंग अपा
र दीये दांन मनि जौ हार १७ बेशा भये बश भूप त
कि देषि वाको रूप ह्सती दीये सब षोल हीरा अमो
लक मोल १८ दोहा रामानंद उसन्रपति के सुपना का
पुन कीन उदक षोस सब विप्र की रामजनी को दीन १९
भई मिसट मत न्रपति की तज्यौ भार जा संग बेशा सूंस
पर सभयो रचि रह्यौ रूहि रंग २० हुई व्याधि इक न्रप

28 तिकै रोगउठ्यौतनमांहि उसनव्याधिदारुणप्रगट क
१५ हाकरैकछुनांहि २१ निदरानहीकछुनैनमें नही
षुध्यातनमांहि उठतैंहीषड.हड.पडैगर्दूडील्लकीपाहि
२२ हैहैसबदउचारहीं तड.फतहैतनमांहि करूकटा
रोतनविषै निश्चैजीऊनांहि २३ कुचलैबशानव्यारु
केष्ठाबधि गयोसकलसुधिभूल राजलोगसबलोग
के ग्यानरह्योनहीसूल २४ बैदसबैउसनग्रकै की
नेजतनअनेक सीलद्रष्टसनिकीनही औषधलगी
नाक २५ छंद जबजानवीजदीवान न्रपभयोग्यान
अग्यान सिरडीभयेनरनाथ भूतप्रेतज्यौबक्रात २६

सव

सुधिगयान्नृपभूल नहीगयांनमनमैंसूल एकदि 29
वशआरधरैंन न्रपछाडिग्रहकौचैन २७ उठिचलौ
हैबेरान तजिगयौकुलकीकांनि भरमतफिरैचहूं
देश फाटेबसनबधिकेस २८ मनकरतमनिकाध्या
न तजिजीवकाअभिमान मोचूकआईदेव करमां
फकरहूंसेव २९ महाआहिआहिपुकार मानैनआरक
कवार एकदीवशविक्रमदीन गयेसहरजानपुनी
त ३० चंपावतीगढसहर दोजमफिरैन्रपलैर षुलं घां
गीतनमांहिं गयेसेठकैनिजठाहि ३१ वैसेठश्रीप
तिदेष लईदयावाकीवेष लेआपनैघरजान क

30 हिनारनिजसुवात ३२ यहपीरानीहैकंगाल तनपूर
१६ योत्र्प्रनपांन तबसेठकीघरनार सुनलईबाततकिवा
र ३३ तियादेषवाकौरूप निजजानियोकोईभूप
रहैक्यांतिछांनीनांहि कोईतिराशहैमनमांहि ३४
करिउसनन्नलसपरार करितिरपतिहेतजिमाय न
हीपापमनकैमांहि गईचत्रमालीठांहि ३५ ईनठो
रसुषकरसोय जबजागयोठंडहोइ पंछीगईतियखो
न नहीकरीपतकीकानि ३६ अपनेधरमकौंजान
न्रूपमहलमैंदीयौस्थान जियमैंकरैन्रूपसोच
नहीनीदकरतआलोच ३७ धनसेठधर्मविचार

धनग्रहवाकीनार नृपलषतकरतबिचार वोषुटी ३१
टकौौऱ्कहार ३८ बनचत्रमालाकाम अद्भुतम
डेचितराम येकहंसचत्रप्रबीन सनिकीयोमरजीव
न ३९ परबंधचालोचाल चहुंदेषचैनृपष्याल वो
टकौषुटीहार कियोहंसताहिअहार ४० वोहारहा
करिकाम परबंधभयोचित्राम करिसोचमननमैरा
य यहमोहिकालौआय ४१ नृपसोचमनमैंकरै
अतिआतमामैंडरै मैकरीनिद्रापूर हुषभुगति
हूंभरपूर ४२ मैंबीजबोहायेह जाकैलागयाफलये

32 ह न्यपट्टीलमैंकरिमोच नहिनीदकरतअलीच रो
१७ मांचअंगमआय कोकरैताकीसहाय अतिपीड़ा
मैंअकुलाय क्योंजन्योमेरीमाय ४४ दुषवडौदाह
णाघेह जनमतछुटौनहीदेह बिधिकरीकोंनउपाय
कहाकियोमोहिजिवाय अबपीराणछुटतनाहि ४६
दोहा रामानंदउसहंसनैकीनौहारअहार महाप्रबल
सामर्थ्यसनी लषैनकोईपार ४७ छंद एकराजलोक
षवास आईसेठनीकैपास तबहीतैंमोरीसांन तोहि
कोकिवामहारानि ४८ यकहारमोतिनहार वोलेच

लौतुमहार उठीतियाजबधाय जहांचत्रमालीआय ३३
४९ लषिहारषुटीनाहि रहिषडीमंदिरमाहि वाह
रितियाजबआय लियेसेठबेगबुलाय ५० कहैजो
षितोकरजोरँवहहारलायकिशेर सोमोहिलाधौना
हि यहमनुषसुतोमाहि ५१ पेबातश्रीपतिजानि
पंछीजगायोआनि इहाहोयमेरोहार तैंलीयोअब
देडार ५२ परदेशयोवाच कहैबातयेकविसेष मोपा
सहोयतोदेष मैलीयौनाहीहार अबछोडभावेमार
५३ यहदेहतेरेपेस आरइहोनमेरोदेश मैंकहतोहि
विचार इनहंसनिगलोहार ५४ सेठउवाच यहचि

३५ त्रकाहैमोर मैंलख्योतोकूंचोर तजिहठदैहुंमार देडारमे
१८ रौहार पंछीतगीयहबात सबनग्रनाहिसुहात सबक
हैदीजेमार योदेतनाहीहार ५६ करजेवड़ासंबांध न
नलीयोताकौसाध दईचाबकाकीमार करघोड़ तीअस
वार ५७ कोसुनैनाहिपुकार डंडेकलीकेलाय दीये
भूपकेकरमाय ५८ दीयेपेचबांधजंजीर छिड़कैघ
ड़ाभरनीर ५९ महात्राहित्राहिपुकार तबदेतमन
मैंगार फिरखानबैनकचूट तनचुटबैनकचूट ५९
फिरचेतकरिटूकजाम मुघलेतसनिकानाम होदे

वदेहछुड़ाय अबमैंप्रबलदुषपाय ६० अबहूंतेरो 35
दास मोहोतहैतननाश सनीसरऊवाच मुनिवी
रविक्रमचोर थोड़ीकशारहैओर ६१ अबघड़ीदो
कैमाहि सबदेतफलभुगताय सेठऊवाच वैकहीवा
तबिचार इनलेचलौदरवार तहांभूपबैठसुधांम
तानामहैंमनिराम वहांकियोठाढोजाय कोकरैता
कीसहाय ६४ राजाउवाच तुमसुनोश्रीपतिसेठ क
हांसुभईइहभेट इनकूमिलैनाहीचून कहाकीयो
तेरोषून ६५ सेठऊवाच मुनियेजुअबनरपाल
लयोरक्योषुटीहार वैमुकतमहैगाहार तिसमोल

36 येककिरोर ६६ ग्रहैजीमैकीनौंसोर धस्योहारलीनौ
१९ चोर अबकहतहौनरपाल लेदीजियेमोमाल ६७
दोहा रामानदउसनृपतिकेछत्रसनीसरबैठ भ
ईभीसरमतनृपतिकी नहीन्यावकीपैठ ६८ मनी
राममनकीनृपति उपज्योमनमैंन्याव कहतभ
योयाचोरकेकाटोहाथरपाव ६९ लैचलेपंछीबार
महाचाहिचाहिपुकोर हुवौनगरसारोसाथ तहांका
दियापगहाथ ७० नृपनाषिगैलामाहि बाईसपर
दाआइ कहापुत्रभ्रातप्रवीन कहादेशराजउजीन

७१ कहारहीहैघरनार जेजलनकहैछीलार हैक ३७
हावैगजराजे कहांरहेरथसमाज ७२ कहारहेदेश
दिवान कहाँहुकमघानरयान कहांगईवेपोसाघ
कहाँबावबोलषवाश ७३ कहांगयोमुषकौनूर तप
तेजमैंससिसूर कहांघुड़चढौकीमोज कहांगयेजो
धाफौज ७४ सबथांभतेआकाश उनकौकहांहैबास
परतेपमीनाराय तहाँटुकटुकपराय ७५ इहांनहीते
रोकोय अबकहांकरिहैतोय सबलोगअलगाजाय
कोईदयाकारीनांय ७६ दोहा रामानंदउसनृपतिके

३४ कढिगयेहाथरपाव बिनचंपैषेवटबिना चलतथक
२० गईनाव ७७ चेतहुवोदिनच्यारमें पडौपुकारैभूप
आतजातगैलाविषैंनाषजातकोईटूक ७८ महाप्राण
संकटसहे गयेदिवशअतिबीत मातपिताकहजगत
सूंमांगषातइहीरीत ७९ षसटबरसभुगतेन्पतिकरी
कुमारीयेह मार्गमैंमृतकज्यौंपडौचौरंग्याकीदेह ८०
बरशादिवढवाकीरह्यौ कीयासीलसनिनैन चौरंग्याका
डीलमैंकछुकउपज्यौंचैन ८१ छंद एकदिवषाते
लीयेकलईदयावाकीपेष गयौभूपकेदरवार जाय

आरजदीनगुजार ८२ तेलीकहैसुणकंत यकचोरं ३१
गयोपीड.वंत मोहुकमदीजेदेव मैंकरूंवाकीसेव
८३ राजोवाच फिरहुकमभूपतिकीयो चौरंग्योतोकूं
दीयो लेहुकमआतुरजाय अपनेग्रहलेआय ८३
बलधापकरनितषाय गईसबैतनकीबाइ अलम
सतफूलानित वैघानीहांकहुंरइकरंग ८४ यहांगये
बहौदिनबीत मनषुसीकररहरीत कोभौतनाहिज
वाद गुणआईयोरूकयाद ८५ चौरंग्योवाच मुनिवा
ततेलीयेक तैंनैकीयाधर्मबिबेक तैंकीयाहीड.ाजोर

40 तुमआयोईमोदाय धनजन्यौतेरीमाय यौकहतमु
२१ षसोबात घांणीहांकहौदिनरात ८७ अणूतरहूना
हीबहौरि दोहा रामानंदसनिदेवनैंकीयानैनजबसी
ल उजलबरननिकसनलग्यौ मिटगयौबदनमली
न ८८ यकदिवसबैठौहुयौ करनैंलाग्योराग कंठ
नफुनिगावतभये रीऊगईमृगराज ८९ छंद अर
धनिसांकरिराग नृपकवरीसुनअनुराग मनभा
वतीतानाम सुनरागरीझीवाम ९० वाजीत्रिविधिसी
तलपवन इहगायसुथराकवन उठिषडीराजक

वार बाहरषड़ीदासीद्वार ९१ बोलईबेगबुलाए द्विग ४१
षड़ीत्रियजवआय मोकौबुलाईकिहिकाज फुरमा
ईयेमहाराज ९२ मनभावतीऊवाच येकवनसुष
रागाय मोनीदनाहीआय कोजानवैनहीआेर उन
लाईयेयहठोर ९३ नहीनीदनैनामांहि अबलावदे
षूवाहित्रियाचलीजवधाय तेलीतणेघरआय ९४
कहैचौरंग्यासुवात उठचालमेरीसाथ चौरंग्योवाच
कहाकहतहैमोनार मैपड़ौतेलीद्वार ९५ मोनैकआ
वैसास क्यौआईयोमोपास मोनाहितनमैंचाह जहां
तैंआईजहांजाय ९६ तियावोलकेकरमान तुमाने

42 मूढअग्यान तोलेचलईकठोर मुषतैंकरैमतमो
२२ र ९७ इहाँमिलैनाहीनाज वहांराजवोकरिराज नृ
पवोलकरिईकराय मोहाथपावननाहि ९८ दुजी
त्रियाईकल्याव जवचालहूयाद्दाय तियाचलीबातवि
चार तबदोउलाईनार ९९ करगहतकरतउपंग
बीचमेलियोचोरंग नहीमिल्योपंछीऔर जामे
लियोईकठौर २०० इनरूपदेषिनिहार भईप्रसन
राजकवार लेस्वानियोरनवाश मनमेंकरतनृपका
स १ कोघडीजीऊँरात मोहिमारहैपरभात अब

जीवछुटैनाहि यौकहतमनकैमांहि २ सबमिटगयो 43
हैसोर जहाँनहीदूजोत्र्योर तहांन्टपतित्र्यतित्र्यकुला
य दूगनीदत्र्यावैनाहि ३ सनिकरीमनमैंप्रीत जहां
पडे.विक्रमदीत [illegible]हीनौदरशजोमुनित्र्याय ली
नौमुनौभूपजगाय ४ सनीसरऊवाच न्टपतौमिटा
उत्र्यागि त्र्यवसोवैहैकजाग तैंकरीनिद्रात्र्यैन कौं
पाईयौतैंचैन ५ सबत्रिबिधकीहैत्रास सोईकार
हौत्र्यवफास हैदलकरूंगजराज टुनग्रवैहीराज
२६ तबउठियोमुनिवात तबहोगयापगहाथ ७

५५ ७ अबराजावीक्रमादीत श्रीसनीशरजीकीअसतुत
२३ करैहैं छंद भुजंगी नमोरूपदेवाय तुहीदेवदेवा त
बैगततेरीलषैकौनभेवा महाक्रूरह्वैन्रपकंगालकी
नो लछिकतगजराजजोकाउलीनो ८ तुहीक्रूरअ
सुरहिरणाछजोयो महात्रासमसोमारकैराजषोयो भयो
येकनरपालजोसहस्त्रबाहु हुयेक्रूरभुजाफरससेती
उडाहूं ९ तुहीलंकपतिरासपरवासकीनो उरहूरक
रिलंककोराजदीनो सुनोलषोकहूकञ्जतुठौ तुमैक्रू
रतैंधनुषकोप्राणछुटौ तुहीक्रूरहौरामबनोवासदी

नौ तुहीक्रूरतैंजानकीहरणकीनौ तुहीलाङ्काविरछ् 45
मैंवानमारो तुहीक्रूरद्वैवालसेजोधामारो तुहीकंस
काबंशकौनाशकीयौ तुहीदलिद्रविप्रकूंराजदीयौ न
मोचरनपरनामगुन उपगावैतजेपिरान तुहीआण
कैतापतनकीमिटावै १२ दोहा रामानंदविक्रमनृप
तिंजपित्रसतनकरिसेव मधुरबचनकहतेभये प्र
सनशानीशारदेव १३ मुलकिपुलकिअरुफेलिकिच
पिंबलकउतारणपार मुषमुद्रमकहतेभये मांगतुम्ह
रीबार १४ रामानंदउसनृपतिके दुषआगेद्रमरूप
जिमपनगकेजुथमें [illegible]आनिपडे षगभूप १५

५८ रामानंददुषभाजियोतजीरायकीगैल अरीकरी
२४ काडंडमैं सारंगनृपकीदहैल १६ रामानदउस
नृपतिकेदुषसबगयेनसाय जिमछत्रीकावंश
पै परसरामदुजआय १७ रामानंदउसनृपति
केतनमैंभयोअनंद दावानलबनमैंलगीआ
णबुझाईइंद्र १८ छंद नरसुरादायोआनि ति
सदुषीहोतपीरान जिमआर्द्रकीनीमार अमृ
तपीवावनआद्र १९ नृपहृदयकरमनमांहि
होदेवमागृकाहि मैंजोरपाईपीर तैंकीयानी

रनछीर २० संकटमहामैंजोर कोईपीरानीभुग ४७
तनभोर बरहीजियेयहमोहि कोईपीरानीपी
डानहोइ २१ प्रानीप्रारऊबाच सुनिन्नपतिमा
रुकाज तुम्नटलततपिहैराज न्नपभूलियोम
नकाहि अबपूजातोहिसुनाय २२ नरपूजवैमो
कोय ताकूंकभूनपीडाहोय नरकरतध्यानअ
पार भूलूनबारूंबार २४ दुजपोषतेमोकाज
तसिराषिलेहूलाज न्नपबैनमुषतैंगाय गये

४८ सुरगमार्गधाय नृपकरतमनमैंबात कीयौहर्ष
२५ तैंपरभात जागवीराजकवार बाहरषडीदासी
वार २५ मनभावतीऊबाच चौरंगचेतकराय
जलपातरभरिलेजाय लियेदांतनीजलहाथदु
जीनकोईसाथ २६ मनकरतचेतचोपंग तहां
पोढियोचौरंग दासीधरैमनमैंध्यान इहांउगियाकि
मभांन २७ चोरंगनाहीयह यहदेवताकीदेह
आतुरचलीजबनार जहांबिराजराजकवार २८

मुनिसुनिजुमोसिरताज बौचौरंग्योसुरराज नारू 49
पबरननकार रबिप्रगटतिमरछिपाय २९ वैक
पटकीछीदेह वैनहीचौरंगदेह मनभावतीऊवा
च करिहरषराजकवार आईमहलकैद्वार ३०
चषलषेबिक्रमदीत महाकांतिपरमपुनीत दि
बिदेहबणिअरूप चषिकुंजसुषसहाय मनभा
वतीमनभाय ३१ दोहा कुवरकहतनरनाहनें
किरपाकरीतुमआय जोहौंसोप्रगटौहमैं मोतन
नापबुझाय ३२ छंद छलहौकहानुमरूप सुररूप

50 हौंकहाभूप मोकूछलकरिराग मोलगीउरमैंला
२६ ग ३३ मैंकौनकाजकुमार मनमाहियनयहधा
र जैवरुबिक्रमरूप नहीरहुकंन्यारूप ३५
अबसूणैपिताअरमात मोप्राणघालैघात मन
भावतीमनकंप येबचनसुनिनृपजाग ३६ रा
जोवाच दोहा राजकवरमनजिनडरहू करोहू
षेआनंद जोश्राश्रानीउरहैतषा सोईउगीयोचं
द ३७ तेंगवरीहितपूजही जेबरप्रगटेआय मैं
उजीननरनाहहूं करहूहरषमनमाह ३८ छंद

मुनिनृपबचनहर्षअतिकीना बीक्रमजीतके ५।
चरनजूलीना बसननीरकरजलसपराये उज
लभूषनबसनबनाये अनजपानअंबरबहौमे
वा ईणविधिनृपकीकरैजूसेवा येप्रभूकीमन
इछाठांनी प्रगटीवातरहेकिमछांनी ४० नृपमनी
राममुतगरहनारी लष्यौमहलमें अचरजभारी
राजहंससंगकवरीजूबैठी अबरपांचदशदासी
बैठी ४१ नहीपापतपरूपनिहारै मनमैंनृपके
ब्याहकीविचारै लषिकैषेलभईबेहाला भईउ

52 सोचबसहुईबिहाला ४२ भरतउसासमासपैआई
२७ तनमनदसासमकल। बिसराई लग्योकारटकुलनि
ष्योविधाता कुलमैंकवरकहाकियेगाता ४३ भ
ईनिकारकुलकारजपेली मुरतबेदमरजादज्ञठे
ली पुरसलषेमैंताकेसंगा सषीसहतराचीरहरंगा
४४ दोहा सुनेबचनसुतनारके आतुरधाईनार
जहाँगईउरनहासिमैं तहांछीराजकवार ४५
चौपई न्रपकोरूपलष्योनिजरानी भैचकभई
सीयलसीबानी येकिमभूपभवनमैंआये आद

भुतरामरचीयेमाये ४६ राणीकहैकवरतैंबांणी 53
येमूरतिकहिकिविधिआणी हुकमदेहहुनकुल
पितुमाता बिनाहुकमकहाकीयोगाता ४७ लिये
पुरसअरुरहिहितकारी लोकपरलोकविगाउनोना
री लिबेअंकतुमकूंनहीदोसा कहाबिधनापरकी
नौरोसा ४८ कवरीउवाच मातामतकरोमनकीरी
सा मनौकामसारोजगदीसा बिक्रमरायतुमैंमन
भाये सोप्रेरेबिधनाकेआये ४९ सकलमिलक
र अबपांणीग्रहणकरोअबमेरो सुनमहारानी

55 बहोतहरषाई अंद्रालीनेभूपबुलाई ५० कहैनरे
२८ शासौप्रांनपियारी तुमरीपतिराषोगिरधारी विक्र
मरायआयेतुमधामा सरगयेतुमरेपूरनकामां
५१ मनीरामउवाच अचरजकहौमततनार मुष
बोलियेजुसम्हार तियरूठजिनकरसोर कहाबीर
विक्रमचोर ५२ दलइंद्रकेजिमआय वैनहीछा
नाराय राणीउवाच नृपहारकीसुणवात तैंकाट
यापगहाथ ५३ कोदिवसभुगतबिलाप अतिल
हीतनमैंताप तेलीलईजबमहर बलषायधाणी

कोर २४ न्रपरागग्रद्भुतगाय मनभावतीमनभा 55
य चौरंगताकीदेह इहांलावईकरनेह ५५ लेखा
नियोरनबास कोनहीताकेपास द्दासीलेख्योपरभा
त तबहोगयापगहाथ ५६ न्रपछाड़ियेमनमाहि
परिहरषकरकैपाय न्रपभवनमैंजाबैठि जहां
बीरबीक्रमबैठि ५७ न्रपउठियेहरषाइ दोऊमि
लेहृदयलगाय न्रपफैरतैंकरवांधे असतुतमु
षसोंसाध तुमधनपधारेराज मोराषबनकुललला
ज ५८ विधकवनग्रवसरकीन भईदसाकवन

56 मलीन मोदासपरकरमहर दीयोदरसमोईनबेर

२९ ५९ मोचूकज्ञाईनाथ मैंकाटियापगहाथ ६०

राजाबीक्रमाजीतऊबाच मुनिनृपतितुममनि

राम तैंकीयानाहीकाम ६१ वैसकसहैसनि

रूप जिनकीयोकंगलभूप मोदेवताकोश्राप

मोटालगयाहैपाप ६२ तैंहारसूकरिकाम यक

बातसुणिमनिराम मैलाधियोरनवास तुमरी

कुवरकैपास ६२ जगजानसीसबलोग अब

मारघूनीमोहि मुनिबीरबिक्रमराज मोसारग

येसबकाज ६३ पूर्वजनमकेलेषमैंदईकन्यायेक 57
इनबातकोकरचाह नृपकीयोआतुरब्याह ६४
गजमहामंगलनाद भमामिटगयोउनमाद ६५
दोहा रामानंदउसनृपतिकौंइकदिनऐसाआय
चोरकीयोकरकाटकै अबकंन्यापरणाय ६६
हयदलगजदलबहोदीये मनिमानिकजोहार
दासीदासषवासअति दीयेरायकीलार ६७ कहै
नृपतिकरजोरकैं तुमलायकनहिनाथ गोमारन
कूंभारजा दईकंन्याकीसाथ ६८ राजामनीरामउ०

58 सुनीरायकेरायतुमलषीनैनतौलाज बडेभूपकेपृ
३० तहौ सबराजनसिरताज ६९ बहौमंगलआनंद
भये पूरीविविधिसुषपूर सक्रसुधाकेमेघज्यौं बर
षेमंगलनूर ७० कहैन्रपतिअनुरागकरि कीयौं
हुकमईकराय आतुरपठयेमित्रबौ तेलीलियोबु
लाय ७१ सोरठा तेलीलीयोबुलाय पीतपाछलीया
दकर जाकेघरषलषाय मानजोगाषेजगतमैं ७२
कीन्रपतिबहौसनमान मिलियेपकरकरपान
पटमनदीयेजोहार गजबाजदीयेवोल्लार ७३ दासी

दासखवाश मनकोमिटाईप्यास दालिद्रकीनौदूर 59
धनदीयोबहुभरपूर ७४ फिरप्रीतन्भैसीकीन भ्र
तिसोकरोलेलीन फिरिबोलियेनरनाथ गहेभूप
केफिरिहाथ ७५ इहांसेहयेकबिचित्र बहहैहमारे
मित्र लेचलौउनकैधांम मुनिवोन्रपतिमनिराम ७६
दीयेहुकमतबमहाराय गजबाजसैंजबजाय पंचरंग
घुलेगजन्भाय घनतिरमंगलघुरकाय ७७ बडेमेघ
डंवरफील न्रपचढेमनमुतसील दोऊचढेन्रपग
जराज डुलीचवरचारसमाज ७८ भ्ररवीघुडकेभै
न झुवोनावागलायेधैन ईनचढेविक्रमराय भ्री

60 पततलैघरआय ७९ तहँपावडेअतिपरे मुकता
३१ निछुरावलकरे बडरतनमनकरभेट मनहरषअ
तिकरमेठ ८० मेवाविविधपकवान कियौसाथको
सनमांन दोऊभूपकेगहेचरन बडमोहिआये
करन ८१ रंगमहलअतरछिडकाय जहांविराज
येअतिजाय तहांवैठेन्रपअरुसाह अतिकरतवि
विधिउछाह ८२ न्रपनिरषवैचितराम कीनोबिच
त्तरकाम वहहैंसन्रपतिपहैचान मनिकीयोफेरजि
वाय ८३ न्रपलषेयहविचार उनहैंमउगलौहार

न्रपद्वेषवैमनिराम येहलष्यौअचरजकाम ८४ दो 61
हा रामानंदमुनिकीकृपाहारजउगलौहंस प्रगटभी
तकौलेवड़ौनहीहाउआरंभस ८५ राजावीक्रमादीत
ऊवाच दोहा जबन्रपमुषतैंवोलियौ मैआयोतो
द्वार हुईमारतनत्रामतैं लीजेहारसम्हार ८६ श्री
पतिमुनिकैकंपियो न्रपकामुषकीबात कंन्यामे
रैहैनिपुन परणचढोपरभात ८७ नरपतिकं
न्यासेठकी कीयोदूसरोब्याह आतुरमनमैंनगर

62 हीचलणदेसकीचाह ८८ जहैंन्रपतिधनलोगय
३२ ह धनयहफेरीराय धनयहगढचंपावती महावि
षैबौराय ८९ मांगिसीषनरपतिचटे दलह्वादशल
षलार भईसीलसनिकीनिजर कोपावैनहीपार ९०
छंद महारानीन्रपकी षकुबैठीविथवाभेष सनिक
रीसवानउपाय नाषीसुपनमैंजाय ९१ तियलष्यौ
सुपनौंनाहि गईहौरिउपवनमांहि वहांलषेफुलेकुं
ज तियसघनबागसपुंज ९२ तहांलषेभरियेनीर

चककैठचकवातीर तियपूंजरूपअनेक नहांबड़ी 63
नवड़ाभेष ९३ कोलियाकुमकुमहाथ कोईपानदा
नीसाथ कोलीयामहदीलाल नथलीयामोतीला
ल ९४ डावालीयेजोहार नगजटतमोतीनहार को
ईलेबड़ीपौसाप कोईलीयाचूड़ालाब ९५ कोईकु
समपंषादेत कोईकांचकरमेंलेत सबकहतबात
क्चार तूपहरविक्रमनार ९६ तियहरषमन
मेंधार कियोसुपनमेंसिंगार यकबोलबीजप
वास अबलेनवलौनरपपास ९७ चपलबेमंद

64 रूप जहाँविराजैबिक्रमभूप तहाँरूपलखिमहा
३३ रानि चषिदेषिहूजोभान ९८ भईप्रसनूमनकारि
नारि गलबाहिनृपगलधारि रांनीसुपनकेमांहि
मोसी अबरकोईनाहि ९९ मैंउग्रकीनौंदान मो
हिमिल्यौकंतसुजान चूहैकठोरनाथ मोउघट. २
आईआंष ३०० मनमैंकहतयहबाम यहक
हासुपनौराम मैंकीयोदारुणपाप मोकूंदीषावत
ताप १ राणीऊवाच सुणिसुबुधिरूपषवास मैं
षडीनृपकेपास सुपनानयामोआय किणल

ईहुसटजगाय २ बवासियोवाच मुनियेजुमनम 65
हाराज वैजलगयेमुलतान गलनमृतकाकेरा
य कहूंगयेभूपविलाय ३ बचनमुनिकैनारि
यड़ हड़ीषायपछाड़ तुमकहांगयेहौनाह मोमु
पनहीनोड़ाह ईनकरतनारविलाप तनमैंबिला
ईताप पकदोड़ आईषवाश गंभीरमासउसास
सबतजोमनकीदोर साडौलयोदरबार उनकहे
सबसमाचार मोकानगरूंभणाकार ६ मोमुनि
मुनिसिरताज महाराजआवैआज मुनिबैन

66 अगनिबुझाय तोयजीभलेहुबलाय ७ ढ़ढ़ोन
३४ ग्रमाहीसोर सुनितिरमंगलकीघोर न्रपबीरबि
क्रमआय सबनग्रसामहाजाय सबपासवानष
वाश दीवानदोरेपास कहैनगरमिलअनुराग
धनआजहमारोभाग ९ न्रपआपनेघरआय
सबप्रजाअतिसुषपाय जिमजलतिअगनिबु
झाय नरनारिसोजबनाय १० सुषसौंकहैमहाराज
मोराबलईसनिलाज मोबचनसनिकायहै क
रित्रिपतिविप्रजुदेह ११ दोहा रामानंदविक्रम

नरिंद्र पूरणचंद्रउद्दोत द्विजपूजनरचनाविविधि 67
समस्तसुरतजुहोत १२ चौपई अंतहपुरुआये
नरनाथा सकलदुजनकूंनायेमाथा जगपभोम
नृपसेजबनाई तहांलियेदुजराजबुलाई सामग्री
सकलबहोमेवा पयघृतसुधासहितसममेवा
होमकरैदुजमंत्रउचारै हवाकीयेवसुबऋपने
धारे १५ मोतिनहीरापनामंडल नोतेभूपसक
लनौषंडल रानीरायजोरगठजोरा बाजेमंगलश
बदघनघोरा प्रथमदुजगजराजपुजाये सबैगु

68 नीमिलमंगलगाये हरषेसबैभूपमुषनिरषै कंच
ननूरजुधाजनुबरषै १९ छंद न्रपपूजियेजुगने
३५ ष्रा हरिपूजियेसमहेश हरिपूजियेजिमयक
दुजपूजहोयनिसंक बुधजीवपूजनकीन करजो
रकरकैदीन फिरिपूजियेभ्रगदेव नमतकरिकै
सेव करजोरकरिनरनाथ फिरिपूजिकेतरराह
आधीनहोयकरभूप अबपूजियेसनिहूप २०
न्रपनिशाकरिजागरने गहिसानरविसुतचरन
प्रतिमारचीमनपंच तनलोहमांचेसंच २१ मन

तेलद्वादशलाय सनिरूपनैसपराय गजमेषकिस ८१
नाधेन असदासीदासनवेन २२ माषोधेनसप
तधान तिलमोदकपकवान कस्जोरकैभूपाल
ईमपूजआरककवार दुजपोषयेबहुभात लवस
वादुजकीपात सनिपोषियेजुसरीर न्पभयेउजल
नीर २४ न्पकरतहैंमनध्यान न्पसोधिमनमैंग्या
न २५ अवराजावीक्रमादीत श्रीसनीसरजीकोआ
सतुतकरैछै छंद तुमनमोसुरगाईस भैकारसुरते
तीस तुमनमोघोराकाल मंदचालज्वालाऊल

70 तुमनमोकृष्मशरीर महाप्रचंडकालसरीर तुमन
३६ मोकेससथूल अतिभृकुटीतिक्षणमूल तुमनमो
रविभयदाय भयकालकलउदोत तुमनमोप्रानह
रंत तुमनमोप्रानजीवत तुमनमोज्वालानीर तुम
तेजपुंजसरीर तुमनमोबुधिविनाश तुमनमोबुध
प्रकाश तुमनमोधनद्रबधूरि तुमनमोधनभरपू
र तुमनमोगगनबिमान तुमनमोउरभैदान दो
हा नमोनमोरविनंदजू नपतकारनपरनाम भ
येहरनभयत्रासनैं नमोरूपअवस्याम असेन

पञ्चमतुनकरी विप्रधेनसुरपोष जैतूजीवैजगत 71
में सबकेप्राणसंतोष रामानंदसनिदेवनैं कीयेनै
नभूपपरसील सुषकौसूरजउगयौ दुषसबभजे
वकील छंद नृपबैठेछत्रसिंघासन अंतकापुरीनि
वाशन सबभूमकेभूपालही मुनिमीलेञ्प्रतिन
उपावही सुतमिलेमंत्रीभ्रातजू सगसषासंगप्रि
यातजू मंगलउदैजगमाही दुषवोकलाधौनाही
सिंधनप्रजानन्पचंदजू जसगावैरामानंदजू जो
जीवनवग्रहगावही भपत्यागसबसुषपावही दो
हा रामानंदउसन्पतिके सरगयेसवहीकाज वहै

72 देसवहसुषसबै भयेउजीनकेराज कोप्रानीकाना
३७ सुनै सतनिकेदिन नितपाठ विधविधकेसुषभोगवै
तजैनसंपतिठाठ जिनकेग्रहमैंसनिकथा विप्र
कहतहैज्ञान तिनकेदुषदालिद्रसबै भाजजा
यभयमान रामानंदजीदृड.कबसै निरभैगावै
राम येनवग्रहकारूपको नितउठकरौप्रनाम
जोकोईचाहैजगतमैं कुलकुटंबजसरूचैन तौप्र
वणासुणीजोकथा प्रतछदिषावैनैन सनिकैदि
नजागरणाकरै कथासुणौचितलाय कोटपीडात

नकीमिटै मनचीत्याफलपाय यकसहस्त्रअरूआ 1820.
ठसैं बरसबीसमैंजान कृपाकरीगणपतिसकतर 73
च्यौग्रंथसुभमान गोरविप्रकृपालसुत सबभगत
सै नकोदास सबकरिकैबीनती कीनौग्रंथप्रकाश मि
तीमगसरसुदी २ संबत १९ ६३ लिषतंबैरातीराम
पंडितअलवरमध्ये शुभंकल्याणभवतु श्री